स्वच्छ सर्वेक्षण 2023

प्रलिम्सि के लयि:

SBM-U का दूसरा चरण।

मेन्स के लयि:

स्वच्छ भारत मशिन, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप।

चर्चा में क्यों?

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने स्वच्छ भारत मशिन शहरी 2.0 के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण (SS) 2023 का आठवाँ संस्करण लॉन्च कयिा है।

- स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 को अपशष्टि प्रबंधन में चहुँमुखी दशिा में उपलब्धयिाँ प्राप्त करने के लयि तैयार कयिा गया है। इस सर्वेक्षण में 3Rs (रड्यिूस, रसिाइकल एंड रीयूज़) के सद्धिांत को प्राथमकिता दी जाएगी, अर्थात् कचरा कम करें, पुनर्चक्रण करें और पुन: उपयोग करें।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023:

- स्वच्छ सर्वेक्षण को वर्ष 2016 में शहरी स्वच्छता की स्थतिमिें सुधार के लयि शहरों और बड़े पैमाने पर नागरकि भागीदारी को प्रोत्साहति करने के लयि एक प्रतस्पिर्द्धी ढाँचे के रूप में MoHUA द्वारा प्रारंभ कयिा गया था।
  - इन वर्षों में स्वच्छ सर्वेक्षण दुनयिा में सबसे बड़े शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण के रूप में उभरा है।
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में कचरे का स्रोत पर पृथक्करण, अधकि अपशष्टि उत्पन्न करने वाले शहरों की अपशष्टि प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि और डंपसाइट पर जाने वाले कचरे को कम करने पर अधकि ध्यान दयिा गया है।
  - प्लास्टकि को चरणबद्ध तरीके से कम करने, प्लास्टकि कचरे के प्रसंस्करण, वेस्ट टू वंडर पार्कों को प्रोत्साहति करने और शून्य अपशष्टि घटनाओं पर ज़ोर देने हेतु अतरिक्ति भारांक के साथ संकेतक पेश कयि गए हैं।
- स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के माध्यम से शहरों के भीतर वार्डों की रैंकगि को भी बढ़ावा दयिा जा रहा है।
- शहरों में 'खुले स्थान पर मूत्र' **(पीले धब्बे)** और 'खुले स्थान पर थूक' **(लाल धब्बे)** से संबंधति मानकों पर भी शहरों का मूल्यांकन कयिा जाएगा।
- **MoHUA** आवासीय और व्यावसायकि क्षेत्रों में 'बैक लेन' की सफाई को बढ़ावा देगा।

स्वच्छ भारत मशिन शहरी 2.0:

- **परचिय:**
  - **केंद्रीय बजट 2021-22** में घोषति स्वच्छ भारत मशिन शहरी 2.0, स्वच्छ भारत मशिन शहरी के प्रथम चरण की एक नरिंतर शृंखला है।
  - सरकार शौचालयों के माध्यम से सुरक्षति प्रवाह, मल कीचड़ के नपिटान और सेप्टेज का उपयोग करने का भी प्रयास कर रही है।
    - शहरी भारत को खुले में शौच से मुक्त (ODF) बनाने और नगरपालकिा के ठोस कचरे का 100% वैज्ञानकि प्रबंधन सुनश्चिति करने के उद्देश्य से 2 अक्तूबर, 2014 को SBM-U का पहला चरण शुरू कयिा गया था जो अक्तूबर 2019 तक चला।
  - इसे 1.41 लाख करोड़ रुपए के परव्यिय के साथ वर्ष **2021 से** वर्ष **2026 तक पाँच वर्षों** में लागू कयिा गया है।
  - इस मशिन को "अपशष्टि से धन"(Waste to Wealth) और "चक्रीय अर्थव्यवस्था" के व्यापक सद्धिांतों के तहत कार्यान्वति कयिा जा रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - यह कचरे का स्रोत पर पृथक्करण, एकल-उपयोग वाले प्लास्टकि और वायु प्रदूषण में कमी, नरि्माण एवं वध्विंस गतविधियों से उत्पन्न कचरे का प्रभावी ढंग से प्रबंधन तथा सभी **पुराने डंपसाइट** के बायोरेमेडएिशन पर केंद्रति है।
  - इस मशिन के तहत सभी अपशष्टि जल को जल नकिायों में छोड़ने से पहले ठीक से उपचारति कयिा जाएगा और सरकार इसके अधकितम

उपयोग को प्राथमिकता देने का प्रयास कर रही है।

- **मिशन के संभावित परिणाम:**
    - इससे सभी वैधानिक शहर (पानी, रखरखाव और स्वच्छता के साथ शौचालयों पर केंद्रित) ODF+ प्रमाणित हो जाएंगे।
    - 1 लाख से कम आबादी वाले सभी वैधानिक शहर (कीचड़ और सेप्टेज प्रबंधन के साथ शौचालयों पर केंद्रित) ODF++ प्रमाणित हो जाएंगे।
    - 1 लाख से कम आबादी वाले सभी वैधानिक कस्बों का 50% जल + प्रमाणित हो जाएगा (जिसका उद्देश्य पानी के उपचार और पुन: उपयोग करके शौचालयों को बनाए रखना है)।
    - कचरा मुक्त शहरों के लिये आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के स्टार रेटिंग प्रोटोकॉल के अनुसार, सभी वैधानिक कस्बों को कम-से-कम **कचरा मुक्त 3-स्टार दर्जा** दिया जाएगा।
    - सभी पुराने डंपसाइट्स का बायोरेमेडिएशन(जैव उपचार)।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/swachh-survekshan-2023